न्यूज डायरी

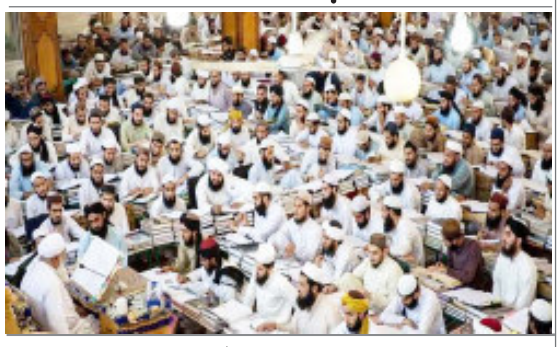

अफगानिस्तान के प्रमुख तालिबान नेताओं ने पाक मदरसे में की है पढ़ाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशेवर। दारुल उलूम हक्कानिया मदरसा, जो पाकिस्तान के सबसे बड़े और सबसे पुराने मदरसे में से एक है और दशकों से पूरे क्षेत्र में हिंसा को बढ़ावा देने के लिए अपने आलोचकों द्वारा शजिहाद विश्वविद्यालयश के रूप में करार दिया गया है, ने दुनिया के किसी भी स्कूल की तुलना में अधिक तालिबान नेताओं को शिक्षित किया है और इसके पूर्व छात्र अब अफगानिस्तान में प्रमुख पदों पर हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मदरसा का अफगानिस्तान में व्यापक प्रभाव पड़ा है। मदरसा के पूर्व छात्रों ने तालिबान आंदोलन की शुरुआत की और 1990 के दशक में अफगानिस्तान पर शासन किया। स्कूल ने तर्क दिया है कि तालिबान को यह दिखाने का मौका दिया जाना चाहिए कि वे अपने खूनी तरीकों से आगे बढ़ गए हैं क्योंकि उन्होंने पहली बार दो दशक पहले अफगानिस्तान पर शासन किया था।

विश्व व्यापार निकाय का प्रमुख सम्मेलन स्थगित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। अगले हफ्ते विश्व व्यापार संगठन मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, चार साल में वैश्विक व्यापार निकाय की सबसे बड़ी सभा, नए ओमीक्रॉन कोविड –19 संस्करण के कारण शुक्रवार को अंतिम समय में स्थगित कर दी गई। विश्व व्यापार संगठन को इस बार की इस बैठक से उम्मीद थी कि जिनेवा में चार दिवसीय सभा अपंग संगठन में नई जान फूंक देगी, जो वर्षों से मत्स्य सब्सिडी जैसे मुद्दों को हल करने की कोशिश में प्रगति करने की कोशिश कर रहा है। नए महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो–इवेला भी उम्मीद कर रहे थे कि बाधाओं के बाद भी सम्मेलन हो सकेगा और यह साबित हो सकेगा कि विश्व व्यापार संगठन की महामारी का मुकाबला करने में एक प्रासंगिक भूमिका थी। लेकिन सम्मेलन शुरू होने से चार दिन पहले स्थगित कर दिया गया। बता दें कि यह फैसला विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घातक कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन बी.1.1.529 को श्वैरिएंट आफ कंसर्न करार दिया और इसे ओमीक्रॉन नाम दिए जाने के बाद लिया गया।

कोरोना का नया स्वरूप सामने आने पर इजराइल ने 'आपात स्थिति' की चेतावनी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरूशलम। इजराइल में कोरोना वायरस के नये स्वरूप से संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि देश ''आपात स्थिति की दहलीज पर है।'' स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मलावी से लौटे यात्री और दो अन्य संदिग्ध संक्रमितों को पृथकवास में रखा गया है। गौरतलब है कि तीनों का टीकाकरण हुआ है। कोरोना वायरस के नये स्वरूप पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को बुलाई गई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री बेनेट ने कहा कि यह ज्यादा संक्रामक है और डेल्टा स्वरूप से ज्यादा तेजी से फैलता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अभी इस संबंध में सूचना जुटा रहे हैं कि क्या टीके इसपर निष्प्रभावी हैं और क्या यह जानलेवा है। उन्होंने कहा, ''हम फिलहाल आपत स्थिति की दहलीज पर हैं।''

वैज्ञानिकों ने खोजी 41,500 साल पुरानी ज्वेलरी, हाथी के दांत से बनाया था पेंडेंट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वारसॉ। पोलैंड में पुरातत्वविदों ने विशाल हाथी दांत से बने 41,500 साल पुराने पेंडेंट के अवशेष खोजे हैं, जिन्हें खास निशानों से सजाया गया है। कहा जा रहा है कि ये रेकॉर्ड में यूरेशिया के आधुनिक मानव द्वारा बनाए गए गहनों का सबसे पुराना नमूना है। पेंडेंट, जो अब दो टुकड़ों में है, 2010 में पोलैंड के स्टैजनिया गुफा में किए गए पुरातात्विक उत्खनन के दौरान पाया गया था। वैज्ञानिकों की एक टीम ने साइंटिफिक रिपोर्ट्स मैग्जीन में ऑनलाइन प्रकाशित एक पेपर में बताया कि हाल ही में हुए रेडियोकार्बन से पता चलता है कि यह पेंडेंट 41,500 साल पुराना है। पेंडेंट की सजावट में एक लूपिंग कर्व में 50 से अधिक पंचर के निशान और दो छेद शामिल है। उन्होंने नोट किया कि प्रत्येक पंचर का निशान एक सफल पशु शिकार या चंद्रमा या सूर्य के चक्र का प्रतिनिधित्व करता है।

कोरोना के नए वैरिएंट ने बढ़ाई दुनिया की टैंशन

चिंता

अमेरिका और श्रीलंका ने अफ्रीकी देशों पर लगाया ट्रैवल बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। कोरोना का नया वैरिएंट सामने आने के बाद से हालात एक बार फिर सभी देश सतर्क हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोनावायरस के नए वेरिएंट मिलने से अमेरिका आठ अफ्रीकी देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाएगा। ये घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने की है। अपने मुख्य चिकित्सा सलाहकार एंथनी फौसी की सलाह के अनुसार, बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि उनका प्रशासन दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, नामीबिया, लेसोथो, इस्वातिनी, मोजाम्बिक और मलावी से हवाई यात्रा को एहतियाती उपाय के रूप में प्रतिबंधित करेगा। ये प्रतिबंध अमेरिका में नए वेरिएंट ओमाइक्रोन को फैलने से रोकने के लिए लगाए जा रहे हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि बाइडन के अनुसार प्रशासन अभी वेरिएंट के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने अमेरिकियों और दुनिया भर के लोगों से वायरस के खिलाफ टीकाकरण करने का आग्रह किया। यह घोषणा ब्रिटेन, कनाडा और फ्रांस सहित अन्य देशों ने भी की है।

अमेरिका में प्रवेश से पहले दिखानी होगी निगेटिव रिपोर्ट: अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों ने वरिष्ठ प्रशासन अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंध अमेरिकी नागरिकों और वैध स्थायी निवासियों पर लागू नहीं होते हैं, लेकिन जिन्हें फिर भी अमेरिका में प्रवेश करना हैं उन्हें पहले कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। दूसरी ओर श्रीलंका भी रविवार से छह दक्षिण अफ्रीकी देशों के अधिकतर यात्रियों को अपनी सीमा में प्रवेश देने पर रोक लगाएगा। श्रीलंकन सरकार ने यह कदम दक्षिण अफ्रीका में इस हफ्ते के शुरुआत में कोविड–19 वायरस के अपेक्षाकृत अधिक घातक स्वरूप ओमीक्रॉन की पहचान होने के मद्देनजर उठाया है।

श्रीलंका ने भी छह देशों पर लगाया ट्रैवल बैन: स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, रविवार से दक्षिण अफ्रीका, बोत्स्वाना, जिम्बाब्वे, नामीबिया, लेसोथो और इस्वातिनी से आने वाले यात्रियों को अनिवार्य रूप से पृथकवास में रहने की आवश्यकता होगी।श परिपत्र में कहा गया, श्कोविड–19 का नया स्वरूप 'नू' की पहचान दक्षिण अफ्रीका में की गई है और जो लोग दक्षिण अफ्रीका, बोसत्सवाना, लेसोथो, नामीबिया, जिम्बाब्वे और इस्वातिनी (स्वाजीलैंड) से आएंगे या गत 14 दिनों में वहां पर निवास किया है उन्हें श्रीलंका आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टीकाकरण के बाद भी कराना होगा आरटी–पीसीआर टेस्ट: आदेश में कहा गया कि सप्ताह के आखिर में इन छह अफ्रीकी देशों से आने वाले 12 साल से अधिक उम्र के यात्रियों को भी आरटी–पीसीआर जांच से गुजरना पड़ेगा, भले ही उनका टीकाकरण पूर्ण हो चुका है। गौरतलब है कि कोविड–19 वायरस के बी.1.1.529 स्वरूप की पहचान इस हफ्ते दक्षिण अफ्रीका में की गई थी।

पाकिस्तानी सेना की जमीन पर क्यों हो रही शादी, पार्टियां?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को रक्षा सचिव से सवाल किया कि श्रणनीतिक और रक्षाश भूमि का उपयोग शादी की पार्टियों और सिनेमाघरों जैसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए क्यों किया जा रहा है। न्यायालय ने यह पूछताछ तब की जब पता लगा कि सेना ने व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रक्षा भूमि का उपयोग किया था।

पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद की अध्यक्षता वाली तीन–न्यायाधीशों की पीठ सैन्य भूमि का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किए जाने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। डॉन न्यूजपेपर की एक खबर के अनुसार प्रधान न्यायाधीश ने सैन्य भूमि के व्यावसायिक उपयोग को लेकर रक्षा सचिव सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद हिलाल हुसैन से पूछताछ की। उन्होंने सवाल किया कि क्या रक्षा भूमि पर सिनेमाघर और मैरिज हॉल आदि का निर्माण किया गया है। पीठ ने सवाल किया, यह जमीन आपको रणनीतिक और रक्षा उद्देश्यों के लिए दी गई थी, आपने इस पर व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर दी हैं। क्या मैरिज हॉल, सिनेमाघर और हाउसिंग सोसाइटी रक्षा उद्देश्यों के लिए बनाई गई हैं?

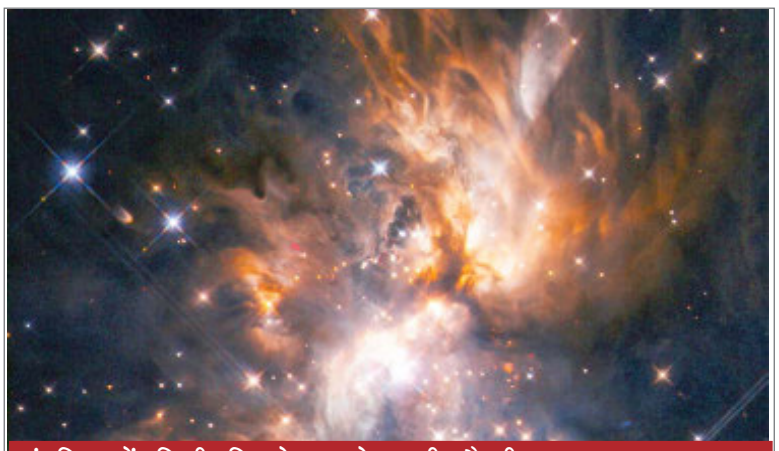

अंतरिक्ष में दिखी सितारे बनाने वाली फैक्ट्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। हबल स्पेस टेलिस्कोप ने गहरे अंतरिक्ष में तैरते हुए प्रॉन नेब्युला की अद्भुत फोटो खींची है। प्रॉन नेब्युला जिसे औपचारिक रूप से IC 4628 के नाम से जाना जाता है। यह नेब्युला पृथ्वी से 6,000 प्रकाश–वर्ष दूर constellation Scorpius में स्थित है। नेब्युला या इंटरस्टेलर गैस और धूल के बादल, बड़े पैमाने पर तारों के विस्फोटों के बाद बनते हैं। यह इंटरस्टेलर सामग्री नए सितारों को जीवन देती है। आईसी 4628 250 प्रकाश वर्ष से अधिक चौड़ा है और इसे एक विशाल स्टेलर नर्सरी माना जाता है जहां नए तारे बन रहे हैं। वैज्ञानिकों ने इसे एक इमीशन नेब्युला के रूप में वर्गीकृत किया है क्योंकि इसकी गैस पास के सितारों के विकिरण से सक्रिय या आयनित हो गई है।

भारत के इन तीन इलाकों पर नजरें गड़ाए है नेपाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल सीपीएन–यूएमएल के अध्यक्ष के पी शर्मा ओली ने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह भारत से कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्रों को बातचीत के जरिए वापस ले लेंगे।

लिपुलेख दर्रा कालापानी के पास एक सुदूर पश्चिमी बिंदु है, जो नेपाल और भारत के बीच एक विवादित सीमा क्षेत्र है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपने क्षेत्र के अभिन्न अंग के रूप में दावा करते हैं। भारत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले

उत्तराखंड की सड़क को अपना बताता है नेपाल

के हिस्से के रूप में और नेपाल धारचूला जिले के हिस्से के रूप में इस पर दावा करता है।

काठमांडू से 160 किलोमीटर दक्षिण में चितवन में नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के 10वें आम सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ओली ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में वापस आती है तो वह भारत से बातचीत के माध्यम से लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख जैसे विवादित क्षेत्रों को वापस ले लेगी। उन्होंने कहा, श्हम बातचीत के जरिए समस्याओं के समाधान के पक्ष में हैं, न कि पड़ोसियों से दुश्मनी करके। ओली ने विश्वास जताया कि सीपीएन–यूएमएल अगले साल होने वाले आम चुनाव में सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगा। भारत द्वारा उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे को धारचूला से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क आठ मई, 2020 को खोले जाने के बाद द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया था कि यह उसके क्षेत्र से होकर गुजरती है। कुछ दिनों बाद, नेपाल लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्रों के रूप में दिखाते हुए एक नया नक्शा लेकर आया। भारत ने इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- पीड़ितों की सहनशीलता सराहनीय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने 26/11 हमलों की 13वीं बरसी पर मुंबई वासियों की सहनशीलता की तारीफ की। उन्होंने पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 2008 में किए गए नरसंहार के दोषियों को जल्द सजा देने की जरूरत पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2008 को लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे। उन्होंने कई स्थानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस भीषण हमले में 18 सुरक्षा कर्मियों समेत 166 लोगों की मौत हो गई थी। हमलों में मारे गए लोगों में छह अमेरिकी भी शामिल थे। ब्लिंकेन ने ट्वीट किया, मुंबई में 26/11 आतंकवादी हमले को हुए 13 साल बीत गए हैं। आज बरसी पर हम छह अमेरिकियों समेत सभी मृतकों को और मुंबई वासियों की सहनशीलता को याद करते हैं। अपराधियों को सजा दिए जाने का लंबे समय से इंतजार है। अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका और भारत एकजुट हैं।